PAGE :
DATE : / /

शिक्षा अनुसंधान का अर्थ एवं परिभाषा :
[Meaning and Definition of Educational Research]

शिक्षा का प्रमुख लक्ष्य बालकों के व्यवहार में विकास एवं परिवर्तन करन है। अनुसंधान तथा शिक्षण क्रियाओं द्वारा इन लक्ष्यों की प्राप्ति की जाती है शिक्षण की समस्याओं तथा बालकों के व्यवहार के विकास सम्बन्धी समस्याओं का अध्ययन करने वाली प्रक्रिया को 'शिक्षा अनुसंधान' कहते है।

इस प्रकार शिक्षा अनुसंधान के प्रमुख मानदण्ड निम्न लिखित है

(i) शिक्षा के क्षेत्र में नवीन तथ्यों की खोज नवीन सिद्धान्तों तथा सत्यों का प्रतिपा करना अर्थात नवीन ज्ञान की वृद्धि करना।

(ii) नवीन ज्ञान की शिक्षा के क्षेत्र में व्यावहारिक उपयोगिता होनी चाहिए, जि शिक्षण अभ्यास में सुधार तथा विकास करके उसे प्रभावशाली बनाया जा

(iii) शिक्षा अनुसंधान की समस्या क्षेत्र-शिक्षण बालक का विकास करना।

(iv) शिक्षा अनुसंधान की समस्या का स्वरूप इस प्रकार हो जिसका प्रत्यक्षीकरण किया जा सके तभी उसकी उपयोगिता हो सके।

शिक्षा अनुसंधान की अनेक परिभाषाएं उपलब्ध है, पर-तु यहां पर कुछ महत्वपूर्ण तथा व्यापक परिभाषाओं का उल्लेख निम्नलिखित है—

"शिक्षा अनुसंधान का अंतिम लक्ष्य सिद्धान्तों का प्रतिपादन कर और शिक्षा के क्षेत्र में नवीन प्रक्रियाओं का विकास करना।"

मुनरो

"The final purpose of educational research is to ascertain principles and develop procedures in the field of education."

Munero

"शिक्षा अनुसंधान वह प्रक्रिया है, जो शैक्षिक परिस्थितियों में व्यवह विज्ञान का विकास करती है।" डब्लू॰ एम॰ ट्रैवर्स

"Education research is that activity which is directed toward develop-ment of science of behaviour in educational situation."

W. M. Travers.

Remark :

Teacher's Sign.

शिक्षा अनुसंधानों का अंतिम लक्ष्य शिक्षण सिद्धान्तों तथा अधिनियमों का प्रतिपादन करना और शिक्षा की प्रक्रिया को प्रभावशाली बनाना है।

शिक्षा अनुसंधान के उद्देश्य [Objectives of Educational Research]

शिक्षा अनुसंधान की समस्याओं में विविधता अधिक है, इसलिए इसके प्रमुख चार उद्देश्य होते है —

1. सैद्धान्तिक उद्देश्य [Theoretical Objective] शिक्षा अनुसंधान में वैज्ञानिक शोध कार्यों द्वारा नये सिद्धान्तों तथा नये नियमों का प्रतिपादन किया जाता है। इस प्रकार के शोध कार्य व्याख्यात्मक होते है। इनके अन्तर्गत चरों [Variables] के सह-सम्बन्धों की व्याख्या की जाती है। इस प्रकार के शोध कार्यों से प्राथमिक रूप से नवीन ज्ञान की खोज की जाती है, जिनका उपयोग शिक्षा की प्रक्रिया को प्रभावशाली बनाने में किया जाता है।

2. तथ्यात्मक उद्देश्य [Factual Objective] शिक्षा के अन्तर्गत ऐतिहासिक शोध कार्यों द्वारा नये तथ्यों की खोज की जाती है। इनके आधार पर वर्तमान को समझने में सहायता मिलती है। इन उद्देश्यों की प्रकृति वर्णनात्मक होती है, क्योंकि तथ्यों की खोज करके उनका अथवा घटनाओं का वर्णन किया जाता है। नवीन तथ्यों की खोज शिक्षा प्रक्रिया के विकास तथा सुधार में सहायक होती है।

3. सत्यात्मक उद्देश्य का प्रतिमान [Formulation of Truth Objective] दार्शनिक 'शोध' कार्यों द्वारा नवीन सत्यों का प्रतिस्थापन किया जाता है। इनकी प्राप्ति अन्तिम प्रश्नों के उत्तरों से की जाती है। दार्शनिक शोध कार्यों द्वारा शिक्षा के उद्देश्यों, सिद्धान्तों तथा शिक्षण विधियों तथा पाठ्यक्रम की रचना की जाती है। शिक्षा की प्रक्रिया के अनुभवों का चिन्तन बौद्धिक स्तर पर किया जाता है, जिससे नवीन सत्यों तथा मूल्यों का प्रतिस्थापन किया जाता है।

PAGE :
DATE : / /

4 उपयोगिता का उद्देश्य [Application Objectives] शिक्षा अनुसंधान के निष्कर्ष का व्यावहारिक प्रयोग होना चाहिए, परन्तु कुछ शोध कार्यों में केवल उपयोगिता को ही महत्व दिया जाता है ज्ञान के क्षेत्र से योगदान नहीं होता है। इन्हें विकासात्मक अनुसंधान भी कहते है। क्रियात्मक अनुसंधान से शिक्षा की प्रक्रिया में सुधार तथा विकास किया जाता है अर्थात इसका उद्देश्य व्यावहारिक होता है। स्थानीय समस्या के समाधान से भी इस उद्देश्य की प्राप्ति की जाती है।

शिक्षा अनुसन्धान का वर्गीकरण [Classification of Educational Research]

शिक्षा अनुसंधान के उद्देश्यों से यह स्पष्ट है कि शैक्षिक अनुसंधानों का वर्गीकरण कई प्रकार से किया जा सकता है। प्रमुख वर्गीकरण के मानदंड निम्न-लिखित है —

योगदान की दृष्टि से [Contribution Point of View]

शोध कार्यों के योगदान की दृष्टि से शैक्षिक अनुसंधानों को दो वर्गों में विभाजित कर सकते है —

1. मौलिक अनुसंधान [Basic or Fundamental Research]

इन शोध कार्यों द्वारा नवीन ज्ञान की वृद्धि की जाती है — नवीन सिद्धांतों का प्रतिपादन नवीन तथ्यों की खोज, नवीन सत्यों का प्रतिस्थापन होता है। मौलिक अनुसंधानों से ज्ञान-क्षेत्र में वृद्धि की जाती है। इन्हें उद्देश्यों की दृष्टि से तीन वर्गों में बाँट जा सकता है —

(i) प्रयोगात्मक शोध कार्यों से नवीन सिद्धान्तों तथा नियमों का प्रतिपादन किया जाता है। सर्वेक्षण शोध भी इसी प्रकार का योगदान करते है।

(ii) ऐतिहासिक शोध कार्यों से नवीन तथ्यों की खोज की जाती है, जिनमें अतीत का अध्ययन किया जाता है और उनके आधार पर वर्तमान को समझने का प्रयास किया जाता है।

(iii) दार्शनिक शोध कार्यों से नवीन सत्यों एवं मूल्यों का प्रतिस्थापन किया जाता है। शिक्षा का सैद्धान्तिक दार्शनिक अनुसंधानों से विकसित किया जा सकता है।

Remark : Teacher's Sign.

गिरी मेमोरियल महाविद्यालय
शिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थान

12/6/21